NEWS CLIPPING:01.03.2022

PIONEER

प्राचीन भारतीय विज्ञान का पता लगाए वैज्ञानिक : प्रो. तोमर

फरीदाबाद। जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने आज युवा वैज्ञानिकों से श्लोकों और सूत्रों में निहित प्राचीन भारतीय विज्ञान का पता लगाने का आह्वान किया, और कहा कि महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की भी कुछ खोज ऐसी है, जिन पर काम करने की आवश्यकता है, जिसके लिए युवा शोधकर्ताओं को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। प्रो. तोमर आज राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष में अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के सहयोग से विश्वविद्यालय द्वारा 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' (आईएएसटीएसएफ-2022) विषय पर आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन के संयोजकों में भौतिकी में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सोनिया बंसल और रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ रवि कुमार और सह-संयोजकों में रसायन विज्ञान में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ बिंदू मंगला, भौतिकी में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अनुराग गौड़ और पर्यावरण विज्ञान में सहायक प्रोफेसर डॉ. स्मिता शामिल हैं।

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:01.03.2022

HINDUSTAN

युवा हमारे देश की ताकत हैं: तोमर

संगोष्ठी

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जिले में सोमवार को श्रीनिवास रामानुजन के रमन प्रभाव की खोज पर विज्ञान दिवस धूमधाम से मनाया गया। कहीं छात्रों ने प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया, तो कहीं प्रदर्शनी और अतिथि व्याख्यान हुए। इस मौके पर जेसीबोस एवं वाईएमसीए के कुलपति प्रो सुशील तोमार ने कहा कि युवा हमारे देश की ताकत हैं और युवाओं को शोध करने के लिए प्रेरित किया।

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसी में अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के सहयोग से सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण विषय पर दो दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि के रूप में सत्र को संबोधित करते हुए गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि महान भारतीय वैज्ञानिकों ने समाज के हित में शोध किए थे।

मुख्य वक्ता रहे एनआईटी कुरुक्षेत्र के प्रोफेसर आरपी चौहान ने भी विचार रखे। कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने सभी का आभार जताया। सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनुराधा शर्मा ने बताया कि सम्मेलन के लिए भारत और विदेशों से लगभग 445 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया है।इस दौरान प्रो. आशुतोष दीक्षित,डॉ. सोनिया बंसल,डॉ. रवि कुमार,डॉ बिंदू मंगला, डॉ. अनुराग गौड़,डॉ. स्मिता आदि शामिल रहे।